सहज राजयोग द्वारा कर सकते हैं शिव को प्राप्त

नवापारा-राजिम(छ.ग.)। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र में आयोजित 'विराट सन्त सम्मेलन' में राजयोगी ब्र.कु. नारायण भाई ने सभी साधु-संतों का स्वागत करते हुए कहा कि संतों ने अपनी साधना से भारत का मान-शान बनाये रखा है। उन्होंने कहा कि जब सृष्टि पर अज्ञान-अंधकार फैल जाता है, तब परमात्मा आकर ज्ञान-चक्षु देकर अंधकार से मुक्त करते हैं। उसी की याद में शिव जयंती, शिवरात्रि के रूप में पूरे विश्व में मनायी जाती है। जबलपुर से आई डॉ. पुष्पा पांडे ने कहा कि शिव जयंती ही गीता जयंती है, गीता जयंती ही कृष्ण जयंती है। आप सब संसार को परिवर्तन करने के निमित्त बने हैं, क्योंकि आपके पास ब्रह्मचर्य का बल है। पुष्पा दीदी ने शिव जयन्ती के श्रीमद् भगवत गीता से सम्बन्ध पर प्रकाश डाला। परमात्मा शिव के अजन्मा, निराकार, अनादि, गीता ज्ञान दाता के स्वरूप को तर्क के साथ समझाया। बागेश्वर धाम छतरपुर से आई अरुणा भारती दीदी ने कहा कि मैं ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र में जाती हूँ और दीदियों के उद्गार सुनती हूँ। ब्रह्माकुमारीज़ आश्रम में बहुत सम्मान मिला और ये ज्ञान मिला कि आप और हम एक हो जाएं। जोधपुर से आये अत्री महाराज जी ने शिव और शंकर का अंतर स्पष्ट करते हुए कहा कि शिव यानी निराकार, जिसका कोई शरीर नहीं है। शंकर कहते ही गौरी-शंकर यानी साकार का ध्यान आता है। जबकि निराकार में 'निरा' का मतलब ही पवित्र है। यह विश्वविद्यालय यही सिखाता है कि सहज योग द्वारा शिव को प्राप्त किया जा सकता है। कार्यक्रम में ब्रह्मदत्त जुगलकिशोर जी, संतोष महाराज जी, महामंडलेश्वर श्री प्रेमानंद सरस्वती जी आदि ने भी अपने विचार रखे। स्थानीय सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. पुष्पा दीदी ने कहा कि यह सृष्टि रंगमंच है। हर आत्मा अपना पार्ट प्ले कर रही है। राजयोग का अर्थ है अपने को आत्मा समझ परमात्मा को याद करना। हर आत्मा का कनेक्शन उस परमात्मा के साथ है। कार्यक्रम संचालन बिलासपुर से आई ब्र.कु. राखी बहन ने किया। इस मौके पर देश भर से आये सन्त-महात्मा व धर्मप्रेमी जन उपस्थित रहे।

महाशिवरात्रि कार्यक्रम में...

अत्री महाराज ने कहा... शंकर कहते ही गौरी शंकर यानी साकार का ध्यान आता है। जबकि निराकार में 'निरा' का मतलब ही पवित्र है।

डॉ. पुष्पा पांडे ने कहा... शिव जयंती ही गीता जयंती है और गीता जयंती ही कृष्ण जयंती है।

बेटियों को दुर्गा के रूप में करें संस्कारित : नायक

महिला दिवस के उपलक्ष्य में शान्ति सरोवर रिट्रीट सेन्टर में कार्यक्रम

'महिला सशक्तिकरण के लिए सकारात्मक परिवर्तन'

रायपुर-छ.ग.। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर ब्रह्माकुमारीज़ के महिला प्रभाग द्वारा विधानसभा मार्ग स्थित शान्ति सरोवर रिट्रीट सेन्टर में 'महिला सशक्तिकरण के लिए सकारात्मक परिवर्तन' महिला जागृति आध्यात्मिक सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष श्रीमती डॉ. किरणमयी नायक ने कहा कि आज ज़रूरत है कि हम बेटियों को दुर्गा के रूप में संस्कारित करें। बेटों को बेटियों की तरह और बेटियों को बेटों की तरह पालना शुरू करें। बेटों को महिलाओं की इज़्ज़त करना सिखलाएं। ब्रह्माकुमारीज़ की क्षेत्रीय निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. हेमलता दीदी ने कहा कि आजकल नारी भले ही आर्थिक और सामाजिक दृष्टि से सशक्त हुई है किन्तु अध्यात्म से दूर होने के कारण उसके अन्दर सहनशीलता, नम्रता और मधुरता जैसे सद्गुणों की कमी हो गई है। आध्यात्मिकता को अपनाने से हमें समस्याओं का सामना करने की शक्ति मिलती है। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती डोमेश्वरी वर्मा ने कहा कि महिला ईंट और गारे के मकान को घर बनाती है। बच्चों को शिक्षित और संस्कारित कर वह घर, परिवार, समाज और राष्ट्र निर्माण में सहयोग करती है। पं. जवाहर लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज की पूर्व डीन डॉ. आभा सिंह ने कहा कि महिला सशक्तिकरण से आशय उसके सर्वांगीण विकास से है। डॉ. अम्बेडकर ने कहा था कि किसी समाज की प्रगति के बारे में जानना हो तो उस समाज की महिलाओं को देखो। रायपुर सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु.

सविता दीदी ने कहा कि जीवन में खुशी के लिए महिला सशक्तिकरण ज़रूरी है। इससे सकारात्मक सोच और परिवार में खुशहाली आती है।वरिष्ठ पत्रकार श्रीमती प्रियंका कौशल ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ सारे विश्व में अकेला ऐसा संस्थान है जिसका आद्योपान्त संचालन नारी शक्ति के द्वारा किया जाता है। साथ ही उन्होंने सभी को आध्यात्मिकता से जुड़ने की सलाह दी।

हैप्पीनेस का इंजेक्शन लगाने इस संस्थान में आना होगा : जिला कलेक्टर

उदयपुर-राज.। 88वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती एवं अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में मोती मगरी स्कीम ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र पर आयोजित कार्यक्रम में जिला कलेक्टर अरविन्द पोसवाल ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ परिवार से मेरा रिश्ता बचपन से रहा है। जब मैं माउंट आबू में एसडीएम के पद पर था तब मुझे ब्रह्माकुमारीज़ के कार्यक्रमों में जाने के अनेक मौके मिलते थे। उन्होंने बताया कि मैं अपने आप को बहुत भाग्यशाली मानता हूँ कि मुझे इस

कार्यक्रम में आने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। जिस तरह शरीर के लिए विटामिन के इंजेक्शन की ज़रूरत होती है। उसी तरह अगर सकारात्मकता एवं हैप्पीनेस का इंजेक्शन लगाना है तो ब्रह्माकुमारीज़ में आना चाहिए। कार्यक्रम में डिविज़नल कमिश्नर राजेन्द्र भट्ट, राजश्री गांधी तथा माउण्ट आबू से ओमशान्ति मीडिया के सम्पादक डॉ. ब्र.कु. गंगाधर भाई विशेष रूप से उपस्थित रहे एवं सभी को महाशिवरात्रि की शुभकामनायें देते हुए अपने विचार रखे। सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. रीटा दीदी ने सभी का स्वागत किया, बधाई दी एवं शिव जयंती का आध्यात्मिक महत्व बताया। साथ ही कार्यक्रम में उपस्थित विशिष्ट महिलाओं को महिला दिवस के तहत सम्मानित भी किया गया।

महाशिवरात्रि पर सुख-शांति भवन में भव्य कार्यक्रम

मूल्यों की शिक्षा से समाज को सच्ची राह दिखा रहा यह संस्थान : जोशी

अहमदाबाद। ब्रह्माकुमारीज़ के सुख शांति भवन में आयोजित महाशिवरात्रि के कार्यक्रम में राजस्थान पत्रिका के संपादक उदय पटेल ने कहा कि इस कार्यक्रम में आना मेरा अहो सौभाग्य है। हम सतत् तनाव और दबाव के बीच देर रात्रि तक कार्य करते हैं, ऐसे में इस प्रकार के आयोजन से मन खुश हो जाता है। गुजरात यूनिवर्सिटी के अकादमी स्टाफ ट्रेनिंग के डायरेक्टर डॉ. जगदीश जोशी ने मूल्यों का महत्व बताते हुए कहा कि यह संस्थान मूल्यों की शिक्षा से समाज को सच्ची राह दिखा रहा है जो अति सराहनीय है। मणिनगर सब ज़ोन प्रभारी एवं सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. नेहा दीदी ने सभी को महाशिवरात्रि की बधाई देते हुए इस पावन त्योहार का आध्यात्मिक रहस्य बताया। मणिनगर स्थित मोम क्लिनिक के गाइनेकोलॉजिस्ट डॉ. मिता पटेल ने अपना अनुभव साझा करते हुए कहा कि आज इस सेवाकेंद्र में पैर रखते ही मुझे जो परम शांति की अनुभूति हुई है, वो अवर्णनीय है। सेवानिवृत्त डी.वाय.एस.पी. ब्र.कु. विनयभाई शुक्ला ने सभी का स्वागत किया। शिव ज्योति नेत्र हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. जितुभाई ने आभार प्रकट किया। अग्रणी व्यापारी ब्र.कु. अमित भाई ने मंच संचालन किया। कार्यक्रम में शिवध्वजारोहण के पश्चात् ब्र.कु. नंदिनी बहन द्वारा सभी को 5 संकल्पों की प्रतिज्ञा कराई गई। इस मौके पर सभी भाई-बहनों द्वारा 7 दिन में परिवर्तन करने के लिए किए गये संकल्पों की माला बनाकर शिव पिता को समर्पित किया गया।

आमंत्रित महानुभावों द्वारा 800 किलो बर्फ के भव्य अमरनाथ की झाँकी का उद्घाटन किया गया व शिव की आरती की गई।

शिव-शक्ति की महिमा के नादों से गूंज उठा गॉडली पैलेस

महिलाओं के लिए आयोजित की गई 'शिव भजन स्पर्धा'

महेसाणा-गुज.। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा महाशिवरात्रि एवं विश्व महिला दिवस के शुभ अवसर पर 'महिला स्नेह मिलन' एवं 'शिव भजन स्पर्धा' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए राजयोगिनी ब्र.कु. सरला दीदी ने कहा कि 'शिव शक्ति' शब्द सूचित करता है कि महिलाओं में परमात्मा शिव की शक्ति समाई हुई है। 'मैं शिव की शक्ति हूँ' इस स्वमान में रहने से महिला कभी अपने को अबला महसूस नहीं करेगी। महेसाणा के सीनियर एनेस्थेटिक डॉ. सरोज बहन प्रवीण भाई त्रिवेदी ने नारी की गौरव गाथा सुनाकर नारी को सशक्त करने का प्रयत्न किया। तहसील स्तर पर श्रेष्ठ शिक्षक के अवॉर्ड से नवाजित वैशाली बहन त्रिकमलाल पंचाल ने कहा कि आज महिला हर क्षेत्र में पुरुष के बराबर में आ गई है। परन्तु आवश्यकता है उनके अन्दर आध्यात्मिकता की। वो आध्यात्मिक शक्ति यह ब्रह्माकुमारी संस्था दे रही है। वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्र.कु. कुसुम बहन ने भी अपने विचार रखे। इस अवसर पर आयोजित भजन स्पर्धा में मेहसाणा की 12 भजन मंडलियों ने हिस्सा लिया। विजेताओं को पुरस्कार एवं सभी प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र देकर प्रोत्साहित किया गया। इस मौके पर संगीत विशारद धृति बहन निमेष भाई आचार्य एवं सरस्वती बहन नायक मौजूद रहे। लगभग 500 महिलायें इस कार्यक्रम में शामिल हुईं।

RNI NO RAJHIN/2000/00721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/24-26, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2024-26, Posting on 12th TO 14th and 22nd TO 24th each month, published on 3rd April, 2024
स्वामी - आर.ई.आर.एफ., प्रकाशक, सम्पादक एवं मुद्रक- गंगाधर नरसिंगानी द्वारा कैपिटल ऑफसेट, L 801-I, Sector-28, GIDC Gandhinagar(Guj.) में मुद्रित एवं ओमशान्ति मीडिया, ब्रह्माकुमारीज़,शांतिवन-राज. से प्रकाशित।
कार्यालय - ओमशान्ति मीडिया ब्रह्माकुमारीज़, शांतिवन,- 307510
www.omshantimedia.org